विधानसभा में गूंजा छात्रावासों में धांधली का मामला

बिना सत्यापन भुगतान का आरोप

*** करोड़ों की गुणवत्ताहीन सामग्री की सप्लाई का मामला।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जिले में आदिवासी विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा मिले, अच्छा परिवेश मिले ताकि वे न केवल अपना भविष्य संवार सकें बल्कि देश के विकास में भी अपना योगदान दे सकें इसके लिये केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा लगातार न केवल संसाधन उपलब्ध कराये जा रहे हैं बल्कि विभिन्न योजनाओं को क्रियान्वित भी कराया जा रहा है।

इन योजनाओं के क्रियान्वयन एवं संसाधन इन विद्यार्थियों को कितना लाभ पहुंचा पा रहे हैं इसकी जिम्मेदारी विभाग के अधिकारी एवं जिला प्रशासन की होती है। देखा यह जा रहा है कि जो सामग्री छात्रावासों में अध्ययनरत बच्चों के लिये सरकार द्वारा मुहैया कराई जा रही है उसकी प्रक्रिया में दलाल के माध्यम से जो खेल हो रहा है वह न केवल सरकार की मंशा को प्रभावित कर रहा है बल्कि आदिवासी बच्चों के हितों पर भी डांका डाल रहा है।

सरकार द्वारा किसी भी सामग्री की उसकी गुणवत्ता के अनुसार कीमत तय की जाती है और उसी कीमत के आधार पर सामग्री की सप्लाई की प्रक्रिया आगे बढ़ती है प्रक्रिया पारदर्शी हो यह कहा जाता है और उच्च गुणवत्ता की सामग्री बच्चों तक पहुंचे, जिस सामग्री का उपयोग होना है वह खरीदी जाये और सामग्री के सत्यापन के बाद उसका भुगतान किया जाये लेकिन हमारे शिक्षा विभाग में जो छात्रावासों से लेकर जिले तक महकमा काम कर रहा है उनके अपने स्वार्थो के चलते यह पूरी प्रक्रिया न केवल विवादों में घिरी है बल्कि भ्रष्टाचार की नित नई एक कहानी भी गढ़ रही है।

किसी सामग्री की सप्लाई में यदि अधिकारी भी लाभान्वित हो रहे हैं और व्यापारी भी और इसके साथ-साथ बीच में दलाल यदि मोटा माल कमा रहा हो तो फिर समझा जा सकता है कि सप्लाई की जा रही सामग्री की गुणवत्ता क्या होगी और यही हुआ जब जैम पोर्टल के माध्यम से जिले के 16 छात्रावासों में गद्दे-तकिये, कपड़े धुलने के लिये वॉशिंग मशीन और रोटी बनाने की मशीन सप्लाई की गई इस पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप बिछिया विधानसभा के विधायक नारायण सिंह पट्टा ने लगाते हुये विधानसभा में सरकार से जबाव मांगा इसके पूर्व भी विधायक श्री पट्टा द्वारा प्रदेश स्तर पर इस कथित भ्रष्टाचार की शिकायत की गई थी और राज्य स्तर से समिति बनाकर जांच करने की बात कही थी लेकिन जब तक कमेटी बनती उसके पूर्व ही कथित सप्लायर को लगभग 95 फीसदी भुगतान कर दिया गया। जो सामग्री सप्लाई की गई उनमें गुणवत्ता की कमी तो थी ही साथ ही रोटी बनाने की मशीन अब किसी काम नहीं आ रही। ऐसे में शासन की नीतियों की आड़ में अधिकारी दलाल के माध्यम से जो माल कमा रहे हैं उस पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुये विधायक श्री पट्टा ने विधानसभा में सरकार पर ही सवाल खड़े कर दिये।

ये है मामला

जिला शिक्षा केन्द्र मंडला में समग्र शिक्षा अभियान के तहत सोलह छात्रावास के संचालन में जमकर मनमानी की जा रही है। छात्रावास में वार्डन से रूपए लेनदेन की शिकायते पहले भी हो चुकी है लेकिन अब इन्ही छात्रावासो में साम्रगी क्रय करने में गड़बड़झाला किया गया। जैम पोर्टल से लाखो रूपए की साम्रगी क्रय कर छात्रावासो को सप्लाई कर दिया गया है। आरोप है कि ताकिया गद्दा रोटी मेकर से लेकर वांशिग मशीन को शासन की तय गाइड लाइन से क्रय नहीं किया गया है। यहां गद्दा हल्के व पिचकने वाले छात्र-छात्राओं को दिए गए है। इसके अलावा वाशिंग मशीन की क्षमता कम होने पर उसे दबाव में बदला गया है और लाखों रूपए का रोटी मेकर कोई काम का नहीं है। ये साम्रगी क्रय करने के बाद जिला शिक्षा केन्द्र के डीपीसी के द्वारा बिना सत्यापन कराए बिल भुगतान कर दिया गया। बताया गया है कि आदिवासी बाहुल्य जिले मंडला में बालिकाओं के लिए अकादमिक संसाधन के साथ गुणवत्तायुक्त शिक्षा से जोडऩे के लिए शासन स्तर से कई कार्यक्रम चलाए जा रहे है। यहां वनांचल में बालिकाओ को शिक्षा से जोड़ने के लिए छात्रावास संचालित किए जा रहे है यहां रहकर बालिकाए उच्च शिक्षा ग्रहण कर सके लेकिन जिन जिम्मेदारो के छात्रावासो के कियान्वयन और प्रबंधन सौंपा गया वे ही बालिकाओ के हक पर डाका डाल रहे है।

छात्रावासो में बालिकाओ के भोजन से लेकर तेल साबुन व अन्य साम्रगी में कटौत्री कर वार्डन के मार्फत अपनी जेबें भरे जा रहे है। इतना ही नहीं पांच साल में एक बार छात्रावासो में बालिकाओ के बेड पर नए गद्दा ताकिया के साथ कपड़े धुलने के लिए वाशिंग मशीन और जल्द व समय पर भोजन उपलब्ध कराने के लिए रोटी मेकर क्रय किया गया। लाखो रूपए की सामग्री के क्रय करने में भी जमकर गड़बड़झाला किया गया है। इन साम्रगी के भौतिक सत्यापन करने के दौरान समिति सदस्यो के द्वारा आपत्ति दर्ज कराई गई थी, लेकिन राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशो का कही कोई पालन नहीं किया गया। बताया गया है कि समग्र शिक्षा अभियान के तहत जिले में सोलह छात्रावास है। इनमें करीब 1890 बालिकाएं व बालक के नाम दर्ज है। इनमें बालिकाओ की संख्या अधिक है। हाल ही में छात्रावासो में जो गद्दे व ताकिया सप्लाई किए गए है उनकी क्वालिटी बहुत ही निम्म है। गद्दे में राखी की फोम भरी हुई है। जो कुछ दिनो के बाद पिचक जाएगी। सोने पर ये गद्दे बालिकाओ के लिए परेशानी की वजह बनेगें। यहां तक ताकिया के हाल इससे ही अधिक बुरे है।

छात्रावासों में पहली बार रोटी मेकर मशीन क्रय की गई है। सोलह रोटी मेकर को करीब 2.50 लाख प्रति के हिसाब से छात्रावास में पहुंचाई गई लेकिन रोटी मेकर चालू करने के लिए इन छात्रावासो में इलेक्ट्रानिक लोड ही नहीं है। कुछेक छात्रावास में लोड मिल भी जाता है तो रोटी मेकर को ऑपरेट कर पाना रसोईयो के बस में नहीं है। रसोईयो को रोटी संचालित करने के लिए कोई प्रशिक्षण भी नहीं दिया गया और न ही विद्युत क्षमता बढ़ाई गई है। इसके चलते रोटी मेकर शोपीस बन कर खराब होना तय है। बताया गया है कि 1890 बालिकाओ के बेड पर गद्दा व ताकिया प्रति बालक बालिकाओ को तीन हजार रूपए के हिसाब 5670,000, वाशिंग मशीन 16 नग बीस हजार के हिसाब 320,000 और रोटी मेकर 16 प्रति 250,000 से 40 लाख रूपए की है। 5 प्रतिशत की राशि को रोकर बाकी भुगतान सप्लायर को किया जा चुका है। करीब 99 लाख 90 हजार रूपए की सामग्री सप्लाई की गई है। जबकि भौतिक सत्यापन की रिपोर्ट लेनी थी, लेकिन जिले के उच्च अधिकारी के द्वारा स्थानीय ठेकेदार व सप्लायर को भुगतान करने के लिए कह दिया गया है।

मंडला पुलिस द्वारा मैरिज गार्डन एवं डीजे संचालकों की बैठक

*** यातायात, सुरक्षा एवं ध्वनि नियमन पर दिए आवश्यक निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में पुलिस कंट्रोल रूम में थाना कोतवाली प्रभारी शफीक खान एवं नायब तहसीलदार पुष्पेंद्र पन्द्रे द्वारा शहर के सभी मैरिज गार्डन संचालकों एवं डीजे संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य शहर में आयोजित होने वाले विवाह एवं सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान यातायात व्यवस्था, सुरक्षा मानकों एवं ध्वनि नियंत्रण से संबंधित आवश्यक निर्देश प्रदान करना रहा।

अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यक्रमों के दौरान यातायात प्रभावित न हो, इसके लिए प्रत्येक आयोजन स्थल पर उचित पार्किंग प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। भीड़ नियंत्रण और व्यवस्था बनाए रखने के लिए वालंटियर की नियुक्ति अनिवार्य होगी। बारात निकालते समय सड़क जाम न हो इसके लिए प्रभावी उपाय किए जाएं।

चोरी की घटना को ध्यान में रखते हुए सभी मैरिज गार्डन एवं हॉल संचालकों को सीसीटीवी कैमरों की अनिवार्य स्थापना, प्रशिक्षित सुरक्षा गार्डों की तैनाती और कीमती सामान रखने हेतु सुरक्षित स्थल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

ध्वनि नियंत्रण को लेकर भी अधिकारियों ने सख़्त रुख अपनाया। यह निर्देश दिए गए कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग निर्धारित डेसिबल सीमा के भीतर ही किया जाए।बारात अथवा कार्यक्रमों में ध्वनि सीमाओं का उल्लंघन करने और सड़क जाम करने पर नियमों के अनुसार कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि यदि किसी भी संचालक द्वारा दिए गए निर्देशों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित मैरिज गार्डन एवं डीजे संचालकों पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में शहर के सभी मैरिज गार्डन एवं डीजे संचालक उपस्थित रहे और पुलिस प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

एएसडीआर मतदाता सूची का वाचन 7 एवं 8 दिसंबर को

मण्डला। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोपाल ने वी.सी. के माध्यम से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत एएसडीआर मतदाता की सूची के वाचन के लिए निर्देश दिए। 7 दिसंबर एवं 8 दिसंबर को प्रत्येक मतदान केन्द्र के बी.एल.ओ. के द्वारा एएसडीआर मतदाता की सूची का वाचन किया जावेगा।

बाबा ईश्वरशाह का 50 वाँ प्राकट्य दिवस मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

हरे माधव पंथ के उन्नायक हरिराया सदगुरू बाबा ईश्वर शाह साहिब जी का 50 वाँ प्राकट्य दिवस हरे माधव परमार्थ सत्संग समिति मंडला द्वारा बड़े ही प्रेमा भक्ति से मनाया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में सदगुरू बाबा जी की अरदास आरती की गई। सुबह 7 बजे हरे माधव बाबा जी की प्रभात फेरी निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में पुरुष महिला बच्चों ने भाग लिया सभी बाबा जी के अनुयायि प्रभात फेरी में नाचते गाते कीर्तन करते और हरे माधव का जय घोष करते आगे बढ़ रहे थे। शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए प्रभात फेरी का समापन हरे माधव सत्संग भवन में किया गया तथा साथ ही स्वल्पाहार ब्रह्म भोज भी किया गया।

द्वितीय चरण में शाम को 5:00 बजे सत्संग प्रारंभ किया गया जिसमे बाबा जी की आरती, अरदास, वंदना की गई बच्चों के द्वारा बाल संस्कार के सांस्कृतिक नृत्य किए गए, बाबा जी के जीवन चित्रण, नित्य अवतार एवं निमित्त अवतार के विषय में इलईडी में दर्शाया गया, भाइयों माताओं बच्चियों द्वारा भजनों की शानदार प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम के अंत में धुनि साहिब का गायन कर ब्रह्म भोज का भोग लगाकर ब्रह्म भोज प्रारंभ किया गया जिसमें सभी संगतों द्वारा भंडारा ग्रहण कर पुण्य लाभ कमाया गया और कार्य क्रम समाप्त हुआ।

राजस्व के प्रकरणों को समय सीमा में निराकृत करें- कलेक्टर

*** राजस्व अधिकारियों की बैठक में दिये महत्वपूर्ण निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में कहा कि सभी अधिकारी विभागीय कोर वर्क पर विशेष फोकस करें। राजस्व के प्रकरणों को समय-सीमा के भीतर निराकृत करें। राजस्व से जुड़े विषय शासन की प्राथमिकता हैं।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरूस्ती के प्रकरणों को संभागायुक्त गंभीरता से लेते हैं इसलिए इसे प्राथमिकता से लें। बैठक में तहसीलवार लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक पोर्ट फोलियो में न्यूनतम 95 प्रतिशत का बेंचमार्क कवर करें। उन्होंने आरसीएमएस, सीएम हेल्पलाइन, समाधान, टीएल पत्र, राजस्व वसूली, डायवर्सन, अतिक्रमण हटाने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ एवं श्री सचिन जैन, समस्त एसडीएम सहित तहसीलों से आये राजस्व अधिकारी मौजूद रहे।

सराहनीय प्रयास | नवम्बर माह में पुलिस ने प्राप्त की सफलता।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत 33 परिवारों में लौटी मुस्कान

*** सामूहिक प्रयास से मिली सफलता।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

पुलिस मुख्यालय के निर्देशन में 1 नवम्बर 2025 से 30 नवम्बर 2025 तक पूरे प्रदेश में संचालित विशेष अभियान ऑपरेशन मुस्कान के तहत मंडला पुलिस ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर मानवता का महत्वपूर्ण संदेश दिया है। पुलिस अधीक्षक मंडला श्री रजत सकलेचा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में जिले से गुम हुए 29 बालिकाओं एवं 4 बालकों सहित कुल 33 नाबालिक बच्चों को सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया गया, जिससे 33 परिवारों में पुनः खुशियाँ लौटीं।

अभियान की शुरुआत पुलिस अधीक्षक मंडला द्वारा पीएमश्री कन्या विद्यालय महाराजपुर से की गई। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला शिव कुमार वर्मा, समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, उप पुलिस अधीक्षक महिला सुरक्षा एवं सभी थाना/चौकी प्रभारी तथा गठित टीमों ने समन्वित प्रयास कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस टीमों ने परिजनों से सतत संपर्क एवं विभिन्न राज्यों के पुलिस अधिकारियों से सहयोग प्राप्त कर बच्चों को सुरक्षित खोज निकाला।

छात्र-छात्राओं से संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम

पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के द्वारा सीएम राइज स्कूल बिछिया, कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पड़रिया, एकलव्य विद्यालय सिझौरा, पीएमश्री रानी अवंती विद्यालय मंडला एवं पीएमश्री कन्या विद्यालय महाराजपुर में पहुँचकर छात्र-छात्राओं को बाल विवाह, लैंगिक समानता, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध एवं हेल्पलाइन 112, 1098 एवं 1930 के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही नशा उन्मूलन तथा करियर मार्गदर्शन जैसे विषयों पर भी संवाद स्थापित किया गया।

जागरूकता कार्यक्रमों से व्यापक सकारात्मक परिणाम

पुलिस अधिकारियों द्वारा अभियान अवधि में जिले के 252 विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनसे लगभग 49 हजार छात्र-छात्राएँ, शिक्षकगण, कर्मचारी एवं आमजन लाभान्वित हुए। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक स्थलों—बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मड़ई, मेले इत्यादि पर भी जन जागरूकता अभियान चलाया गया।

अन्य राज्यों से की गई दस्तयाबी

मंडला जिले से गुम हुए नाबालिग बच्चों को विभिन्न राज्यों—दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु, ओडिशा एवं मध्यप्रदेश के अन्य जिलों से भी दस्तयाब किया गया।

होमगार्ड तथा सिविल डिफेंस स्थापना समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

होमगार्ड कार्यालय में होमगार्ड तथा नागरिक सुरक्षा संगठन का स्थापना दिवस समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगरपालिका परिषद मण्डला के अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, उपाध्यक्ष श्री अखिलेश कछवाहा एवं डिस्ट्रिक्ट कमांडेन्ट होमगार्ड आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर होमगार्ड बल द्वारा सलामी दी गई तथा मार्च पास्ट किया गया। परेड का नेतृत्व प्लाटून कमाण्डर हेमराज परस्ते द्वारा किया गया जिसमें ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों का भी प्लाटून शामिल रहा। समारोह में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री भारत शासन तथा डायरेक्टर जनरल होमगार्ड के संदेशों का वाचन किया गया। इस अवसर पर पार्षदगण, रक्षित निरीक्षक, एन.सी.सी. ऑफीसर, ग्राम सुरक्षा समिति जिला कमाडेंड ऑफीसर एवं समस्त होमगार्ड स्टॉफ उपस्थित रहे।

जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा

सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि पाठकों के लिए जन्मदिन उत्सव योजना चलायी गई थी। जिसमें भाग्यशाली पाठकों के उपहार वितरण की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

खबर संक्षेप

ब्लाक स्तरीय ओलम्पियाड परीक्षायें आज

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शासकीय विद्यालयों में कक्षा 9 एवं 10 वीं में अध्ययनरत छात्र छात्राओं के लिए विकास खंड स्तरीय ओलम्पियाड परीक्षा आज 7 दिसंबर को क्षेत्र के सांदीपनी विद्यालय साईंखेड़ा एवं उत्कृष्ट विद्यालय चीचली में आयोजित की जाएगी। बताया जाता है कि आज रविवार को सुबह 11 बजे से 1 बजे तक विज्ञान विषय एवं दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक गणित विषय की परीक्षा आयोजित होगी। इस परीक्षा में कोई भी विद्यार्थी दोनों ही परीक्षा में भाग ले सकता है। इस परीक्षा के लियें उत्कृष्ट विद्यालय चीचली में 146 एवं सांदीपनी विद्यालय साईंखेड़ा में 168 छात्र छात्राएं शामिल होंगे।

शक्कर नदी पुल पर जाम लगने की हुई शुरूआत, वाहन चालकों के लिये बन रहे परेशानी का कारण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर का प्रमुख मार्ग यानि की गाडरवारा करेली मार्ग के शक्कर नदी पुल की बदहाल हो रही स्थिति को मीड़िया द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी अधिकारियों द्वारा किसी तरह से ध्यान नही दिये जाने का परिणाम वाहन चालकों के साथ साथ आम लोगों के लिये भोगने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि पुल के ऊपर निकल रहे गड्ढे के बीच से वाहन निकलना मुश्किल होने लगा है तो दूसरी ओर जब गन्ने का सीजन शुरू हो जाता है तो शुगर मिलों में गन्ना लेकर जाने वाली किसानों की ट्रालियों को इस पुल से निकलना बड़ा मुश्किल होने से नही चूकता है। क्योंकि गन्ने से भरी हुई ट्रालो को यदि ट्रेक्टर चालक तेज गति से निकलने का प्रयास करता है तो गड्ढे के बीच आने से टूटफूट की संभावना बनने से नही चूक पाती है। यही कारण है कि हर वर्ष गन्ना सीजन के दौरान इस पुल पर जाम लगने की स्थिति सदा ही बनी रहती है। इसकी शुरूआत होते हुये बीते हुये रविवार की शाम उस समय देखने मिली जब किसी बडे वाहन के पुल के बीचों बीच फस जाने के कारण पुल के ऊपर काफी समय तक जाम लगा रहा। इस दौरान किसी मरीज को लेकर जा रहे एम्बुलेंस के भी इस जाम में फंस जाने के कारण मरीज की जिन्दगी को खतरा पैदा होने से नही चूक पाई। वही तो अच्छा हुआ कि जाम में फंसे हुये कुछ जागरूक लोगों द्वारा इस एम्बुलेंस को बड़ी मुश्किलों से निकल बाया गया। मगर अब इस तरह के हालत इस पुल पर आये दिन बनते हुये देखे जाना आम बात बनने से नही चूक पायेगी।

प्रत्येक शुगर मिल के पास शासकीय तुलाई काटा लगाये जाने की उठ रही मांग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। लगातार परेशानियों से जूझ रहे किसानों की सच्चाई इस प्रकार से देखी जा रही है कि जहां उन्हें हर संभव मदद करने का भरोसा तो दिलाया जाता है। मगर वह भरोसा मात्र मंचों तक ही सीमित रहने से नही चूक पाता है, जिसका परिणाम है कि क्षेत्र के गन्ना किसान हर वर्ष शुगर मिलों में शोषित होते हुये अपना गन्ना बेचने के लिये मजबूर होने से नही चूक पाता है। क्योंकि शुगर मिलों द्वारा निर्धारित किये जाने वाले तोल काटों पर किसान के गन्ने की तुलाई किस तरह से होती है इस बात की सच्चाई शायद ही किसी से छिपी हो? मगर इसे किसानों की मजबूरी कही जावे जिसके चलते वह चाहकर भी अपनी आवाज बुलंद नही कर पाते है और जो किसान अपनी आवाज बुलंद करने का प्रयास करता है उसकी आवाज को दवाने के लिये शुगर मिलों के मालिक अनेक प्रकार के प्रयास करने से नही चूकते है? इसी बात को ध्यान में रखते हुये क्षेत्र के किसानों द्वारा शुगर मिलों के संचालन की शुरूआत होने के पहले ही शासन प्रशासन के साथ साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग की जा रही है कि प्रत्येक शुगर मिलों के पास शासकीय तोल कांटे स्थापित किये जावे जिससे किसानों का शोषण होने से बच सके। क्योंकि जब गन्ने का सीजन शुरू हो जाता है उस दौरान शुगर मिलों के संचालक पूर्ण मनमानी पर उतारू होकर किसानों के गन्ने की तुलाई में गफलतबाजी करने से नही चूकते है।

धान उपार्जन शुभारंभ तिथि निकल जाने के बाद भी खरीदी कार्य नहीं हुआ शुरू इंतजार में जरूरते पूरी करने के लिये कर्जदार बन रहे क्षेत्र का अन्नदाता...

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

निश्चित ही जब किसान अपने खेत में कोई भी फसल को लगाता है तो उस फसल के तैयार होने को लेकर अनेक प्रकार की उम्मीद रखते हुये यह सोचता है कि इस फसल को विक्रय करते हुये अपनी जरूरते पूरी कर लेगा। मगर उसकी फसल का समय पर विक्रय नही होने के चलते सारे सपने धूमिल होने के साथ जरूरत पूरी करने के लिये कर्जदार बनना पड़ता है या फिर अपनी फसल को ओने पोने दामों में विक्रय करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय धान फसल को देखते हुये जान पड़ रहा है। क्योंकि किसानों के खेतों में धान फसल तैयार होकर लगभग एक माह से रखी हुई है। मगर शासन द्वारा जिस तरह समर्थन मूल्य पर धान खरीदी करने के लिये जो 1 दिसम्बर की तिथि घोषित की गई थी उसे निकले हुये पूरा एक सप्ताह का समय निकल जाने के बाद भी किसानों की समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी का कार्य शुरू न होना निश्चित तौर से जहां शासन की व्यवस्थाओं की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। वही दूसरी ओर क्षेत्र के अन्नदाता अपनी जरूरते पूरी करने के लिये साहूकारों के शरण में जाते हुये कर्जदार बनने के लिये मजबूर होने से नही चूक रहा है..? क्षेत्र के हर किसान के चेहरे पर चिंता की लकीरे दिखाई देते हुये यह बात सुनी जा रही है कि जब बिक है कब और भुगतान कब मिलेगा...? शासन द्वारा किसानों की फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदने की घोषणा तो की जाती है। मगर उसकी खरीदने में की जाने वाली देरी और इसके बाद भुगतान में की जाने वाली देर किसानों को परेशान करने से नही चूकते है। क्योंकि किसानों द्वारा जब अपने खेतों में फसल लगाने के बाद उसे तैयार करने के लिये अनेक प्रकार की कीट नाशक दबाईयों का छिड़गांव करने के लिये दुकानों से उधारी में सामग्री खरीदते हुये काफी लागत इस उम्मीद से लगाई जाती है कि वह फसल का विक्रय करते हुये चुकता कर देगा। मगर जब किसान की फसल का समय पर विक्रय नही होता है तो उस फसल में लगाई गई लागत के पैसा चुकता करने तथा अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिये परेशान होने से नही चूकता है। कुछ इसी प्रकार का हाल इस समय देखने मिल रहा है। इस स्थिति में देखा जा रहा है कि शासन द्वारा धान खरीदने की शुरूआत नही किये जाने के कारण अन्नदाताओं को अपने खून पसीने से तैयार की गई की गई फसल को मंडी या फिर व्यापारियों के पास ओने पोने दामों में विक्रय करने के लिये मजबूर किया जा रहा है..? इस सच्चाई को देखते हुये अब यह सबाल पैदा होने से नही चूक रहा है कि जब सरकार में बैठे हुये लोग जिस तरह अपने आपको किसान पुत्र करते है तो फिर उन्हें इस बात की जानकारी भी अच्छे से रहती होगी कि कौन से फसल कब तैयार हो जाती है। वही किसानों की फसल तैयार होने के तुरंत बाद उसका विक्रय करने की किसानों को मजबूरी होती है। क्योंकि उसी फसल के भरोसे किसान अपने खेतों में आने वाले फसलों की बोनी सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाये बनाता है। मगर इसके बाद भी शासन द्वारा किसानों की फसल का समर्थन मूल्य पर खरीदी का कार्य में देरी करना इस बात का संकेत देने से नही चूकता है कि देरी किये जाने से जहां अधिकांश किसान अपनी फसल को बाजार में विक्रय कर चुका होगा। समर्थन मूल्य पर विक्रय करने के लिये तो सिर्फ वह बड़े व साधन संपन्न किसान ही अपनी फसलों को बचाकर रख पायेगे..? सही मायने में देखा जावे तो सरकार द्वारा किसानों की फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदी कार्य में देरी किये जाने से इसका लाभ सिर्फ बडे किसानों को ही मिल पाता है। क्योंकि छोटे किसानों को अपनी जरूरते पूरी करने के लिये बेच चुका होता है..? इस स्थिति में शासन द्वारा किसानों के अनाज का समर्थन मूल्य पर खरीदी का कार्य सिर्फ औपचारिकता पूर्ण करने के साथ साथ बडे किसानों सहित व्यापारियों को लाभ देने जैसा साबित होते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहा है..? क्योंकि जब छोटे किसान अपनी फसल तैयार होने के बाद उसका बाजार में विक्रय करने के लिये मजबूर हो जाता है तो बडे किसान या फिर व्यापारी ही उन किसानों की फसल को ओने पोने दामों में खरीद कर रख लेते है और जब शासन का समर्थन मूल्य पर खरीदी का कार्य शुरू होता है तो उसमें यह लोग अलग अलग नामों से पंजीयन कराकर उंचे दामों में विक्रय करते हुये देखे जाते है। इसी का परिणाम है कि धान खरीदी कार्य हो या फिर गेंहू व मूंग में भ्रष्टाचार होने से नही बच पाता है..? क्योंकि बीते हुये लगभग एक माह से क्षेत्र के किसानों की धान फसल तैयार होकर अपने घरों में रखी हुई है। मगर शासन द्वारा निर्धारित किये गये खरीदी केन्द्रों का शुभारंभ नही किया गया है जिसके चलते जहां क्षेत्र के किसान अपने घरों में रखी हुई धान की सुरक्षा को लेकर परेशान होते हुये देखे जा रहे है या फिर ओने पोने दामों में बेचने के लिये मजबूर हो रहे है। इस का फायदा व्यापारी लोग उठाते हुये देखे जा रहे है। इस स्थिति के चलते अब किसान अपनी अन्य फसलों की तैयारियों को लेकर घर बैठे हुये लगातार कर्जदार बनने से नही चूक रहा है। क्योंकि धान फसल को तैयार करने में लगाई गई लागत को लिये गये कर्ज को समय से नही पटाने के कारण उसके ब्याज में भी बढ़ोत्तरी होते हुये देखी जा रही है..? इस सच्चाई के चलते क्षेत्र के किसानों का कहना है कि भले ही उनकी फसल तैयार होकर घर में रखी हुई है। मगर यदि वह अपनी तैयार होकर रखी हुई धान फसल को बाजार में व्यापारियों के पास बेचता है तो वह ओने पोने दामों पर मांग रहे है जिसके चलते जहां धान फसल को तैयार करने में किसानों द्वारा लगाई गई लागत भी खड़ी नही हो पा रही है। क्योंकि इस समय अपने खेतों में गेंहू, चना सहित अन्य फसलों की बोनी करने के लिये पैसों की जरूरत है। वही दूसरी महंगाई के बीच अन्य जरूरते सुरसा की भांति अपना बडा रूप धारण किये हुये खड़ी नजर आ रही है।

मकड़ी के जाल के समान उलझी हुई बिजली लाईनों बन रही परेशानी का कारण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। भले ही बिजली विभाग द्वारा नगरवासियों को सुचारू रूप से बिजली व्यवस्था उपलब्ध कराये जाने की बात कहते हुये कुछ दिनों पूर्व बिजली लाईनों में सुधार कार्य करने के नाम पर नगर की बिजली व्यवस्था को बंद रखते हुये सुधार कार्य को अंजाम दिया जा चुका है। मगर इसके बाद भी नगरवासियों को सुचारू रूप से बिजली व्यवस्था उपलब्ध रह पाने की संभावना कम ही नजर आते हुये दिखाई पड़ रही है? क्योंकि जिस प्रकार से नगर में लगे हुये बिजली खम्बों पर बिजली लाईने मकड़ी के जाल के समान उलझी हुई देखी जा रही है उसके चलते आये दिन बिजली खम्बों से चिंगारी निकलने के साथ साथ आग लगते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है। कुछ इसी प्रकार का हाल इस समय नगर में अनेक जगहों पर देखने मिल रहा है जब बिजली लाईनों का सुधार होने के बाद भी दिन में अनेको बार बिजली कटने से नही रूक पा रही है। क्योंकि बिजली विभाग द्वारा खम्बों पर मकड़ी के जाल के समान उलझी हुई लाईनों के सुधार की ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने के कारण अनुमान लग रहा है कि आने वाली नवरात्र के दौरान भी लोगों को बिजली की परेशानी का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ सकता है..? अक्सर देखा जाता है कि खम्बों के ऊपर अधिक लाईनों के बीच जब चिडियों द्वारा अनेक प्रकार के कचरे को एकत्र करते हुये अपने घोषला बना लिये जाते है या फिर खम्बों पर बिजली लाईनों का अधिक मकड़जाल होने से जब एक चिंगारी निकली है । चिंता जानक होने से नही चूक रहा है। इस तरह युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिये ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा जागरूकता अभियान की शुरूआत की गई है। चलाये जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के तहत बीते हुये दिवस रथ यात्रा निकल गई। इस नशामुक्ति जागरूकता रथ का नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा की विशेष मौजूदगी में नगर के ब्रह्माकुमारी संस्था सेवा केंद्र की मुख्य संचालिका ब्रह्माकुमारी उर्मिला दीदी व प्रीती दीदी सहित अन्य साथी बहनों ने हरी झंडी दिखाते हुये रवाना किया गया। बताया जाता है कि यह रथ यात्रा नगर के मुख्य मार्ग लक्ष्मी टाउनशिप से शुरू होकर पलोटन होते हुये नगर के अन्य मार्गो से गुजरी जिसमें नशें से होने वाले दुष्परिणामों से लोगों को अवगत कराते हुये नशा मुक्त भारत बनाने में अपना योगदान देने की सपथ दिलाई गई। इस मौके पर संस्था के मीडिया प्रभारी नीलेश साहू सहित अन्य लोग मौजूद थें।

ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा नशामुक्ति के लिये निकाला जागरूकता रथ

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

नगर के ब्रह्माकुमारी संस्था सेवा केंद्र द्वारा आये दिन मानव सेवा सहित जन हितैषी कार्यो को लगातार संचालित किया जाता है। इसी प्रकार से इस समय जिस तरह युवाओं की नशे की गिरफ्त में समाते हुये देखा जा रहा है वह

प्रशासन की अनदेखी के चलते नगर के स्टेशन मार्ग पर लगातार फैल रहा है शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का जाल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

यदि किसी बीमारी को फैलने के पहले ही उसका इलाज कर दिया जावे तो उस बीमारी को जानलेवा होने से रोका जा सकता है, मगर बीमारी की अनदेखी किये जाने का परिणाम होता है कि वह बाद में इस प्रकार का रूप धारण कर लेती है कि फिर उसे भगापाना मुश्किल हो जाता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर की शासकीय भूमि पर लगातार हो रही अतिक्रमण रूपी बीमारी को देखते हुये जान पड़ रहा है। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि समय समय पर प्रशासन के अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण विरोधी मुहिम चलाते हुये कार्यवाही की जाती है जिसमें प्रशासन का काफी हद तक पैसा बर्बाद होता है और प्रशासनिक अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने पर राजनैतिक नेताओं के कोप का शिकार भी होना पड़ता है? मगर वही अधिकारी शासकीय भूमि पर होने वाले अतिक्रमण के शुरूआती तौर से जिस तरह से चुप्पी साध लेते है उसके चलते अतिक्रमणकारियों को सह मिलने से उनके हौसले बुलंद हो जाते है और शासकीय भूमि अतिक्रमण की भेंट चढ़ जाती है? कुछ इसी प्रकार का हाल नगर के रेल्वे स्टेशन की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग यानि की बीटीआई स्कूल के समीप पावर हाऊस के पास खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर लगातार हो रहे अतिक्रमण को देखते हुये जान पड़ रहा है? यहां पर लगातार हो रहे अतिक्रमण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यह बात झूठ नही होगी कि जिम्मेदार अधिकारियों की नाक के नीचे खुलेआम शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का जाल बिछ रहा है और वह अपनी आंखे बंद किये हुये है? क्योंकि जिस जगह इस समय शासकीय भूमि अतिक्रमण के भेंट चढ़ाते हुये देखी जा रही है वह नगर के तहसील कार्यालय से चंद कदम दूरी पर है तो उसके पास से राजस्व विभाग के अनेक जिम्मेदार अधिकारियों के निवास स्थल होने के साथ साथ ठीक उसके पीछे विद्युत कार्यालय स्थित होने के साथ साथ इसी मार्ग से अनेक जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर नेताओं का आना जाना लगा रहता है, मगर इसके बाद भी खुलेआम हो रहे अतिक्रमण की सच्चाई को अधिकारियों से लेकर नगर पालिका प्रशासन द्वारा भी जिस तरह से नजर अंदाज करते हुये देखा जा रहा है उससे यह अनुमान लगने से नही चूक पा रहा है कि शायद शासकीय भूमि पर कब्जा जमाने के लिये अधिकारियों द्वारा इन अतिक्रमणकारियों के लिये अपनी मौन स्वीकृति प्रदान कर दी गई हो? बताया जाता है कि बीते हुये कुछ दिनों से नगर के बीटीआई स्कूल से लेकर पावर हाऊस के सामने मुख्य मार्ग के किनारे खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर अतिक्रमणकारियों द्वारा लगातार अपना कब्जा जमाते हुये टपरों की लम्बी लाईन लगा दी गई है और यह क्रम लगातार जारी होने के कारण यहां पर नये नये टपरे स्थापित होते चले जा रहे है। मगर इसके बाद भी अधिकारियों द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार से कोई ध्यान देना उचित नही समझा जा रहा है।

पढ़ लिखकर रोजगार के अभाव में युवा अपने आपकों परिजनों के प्रति महसूस कर रहे बोझ..?

हरिभूमि न्यूज/ चीचली।

नौजवानो में कुछ नया करने का जज्बा और समाज में बदलाव लाने की ताकत होती है,किन्तु जब उन्हे सम्मान,कोई काम नही मिलता है तो उम्मीदों से भरी उनकी ऑखो की चमक गायब होने लगती है और उनकी सक्रियता खत्म होने से वे परिवार पर बोझ बनने के साथ ही कुंठित होने लगते है। बदनसीबी की बात है कि शहर व क्षेत्र के गांवो में इन दिनों महॅगाई के अलावा युवाओं की बेरोजगारी की समस्या आमलोंगो को परेशान कर रही है। बताया गया है कि क्षेत्र में कालेजों से डिग्रियॉ लेने वाले हजारों युवा लम्बे अरसे से बेरोजगारी का दंश झेल रहे है, हालत यह है कि जिला रोजगार कार्यालय में वर्षो से पंजीयन कराने के बाद भी उन्हे ऐसी छोटी नौकरी भी नही मिल पा रही है,जिसके सहारे वे अपने घरो में खुशिया बिखरा सके, शहर के हालात पर यदि नजर डाली जाए तो यह सच्चाई उभर कर सामने आने लगी है कि शहरों में चलने वाले कोचिंग सेन्टरो, महाविद्यालय, स्कूलो, सायवर कैफो से किताबी, तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर हर वर्ष हजारों की तादाद में युवा निकलते है, पर वह प्रतिभा वान होने के बावजूद उनको नौकरी की तलाश में दर दर भटकना पड़ता है, इनमें से कुछ नौजवान अनचाहा धंधा करने लगते हैं और कुछ शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रायवेट शिक्षण संस्थाओं के फैले शोषण के जाल में उलझ कम तनख्वाह लेकर बच्चों को पढ़ानें लगते है और बहुत से बेरोजगार युवा ऐसे भी होते है जो बेकारी से तंग होकर मजबूरी वश ऐसे अवैध काम करने लगते है, जो उनके स्वभाव के विपरीत होते है। क्षेत्र में बेरोजगारो की संख्या में ईजाफा होने के कारण नौजवानो के भविष्य को लेकर अब क्षेत्र में चिंता की लहर दौड़ती प्रतीत हो रही है। विदित हो कि क्षेत्र में जब फैक्ट्रियॉ लगी थी, तो ऐसा लगा था कि क्षेत्र में नए रोजगार के अवसरो का सृजन होगा, लेकिन दुर्भाग्य से उक्त उपक्रमो में क्षेत्रीय नौजवानो को 25 प्रतिशत भी नौकरियॉ नसीब नही हुई? जिसका नतीजा है कि क्षेत्र में निरंतर बेरोजगार युवाओं की फौज बढ़ती रही और बेरोजगारी की समस्या ने जाटिल रूप धारण कर लिया। गौरतलब है कि आमतौर पर नौजवान स्वाभिमानी, जोशीले होते है, इसलिए बेकारी से तंग होने के बावजूद वे अपने दर्द का इजहार करने में संकोच करते है मगर इस उलट हकीकत यह रहती है कि नेता व साधन सम्पन्न बेरोजगार युवाओं को उपेक्षित करने लगते है तथा उनकी जिंदगी में कुछ नया करने की उमंग क्षीण होने लगती है, इस प्रकार से देखा जावे तो क्षेत्र में बेकार युवाओं की तादाद बढ़ते जाना सचमुच चिंताजनक बात है क्षेत्र में रोजगारोन्मुखी शिक्षा की व्यवस्था, सरकार स्तर के नए, औद्योगिक प्रतिष्ठान, रोजगार के अवसरो के सृजन, बेरोजगार युवाओं के हो रहे आर्थिक शोषण पर अंकुश लगाना अब समय की मॉग है, जिस पर तवज्जो देकर जनप्रतिनिधियो, शासकीय अधिकारियो, समाजसेवी संस्थाओं को क्षेत्र मिटाने सार्थक कदम उठाना चाहिए ताकि क्षेत्र के हर शिक्षित नौजवान को नौकर मिल सके और वह गर्व के साथ अपना जीवन व्यतीत कर सके।

शिक्षकों की अपडाउन प्रणाली से अध्यापन कार्य प्रभावित

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

जहां एक ओर देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक योजनाएं चलाते हुए मनमानी राशि खर्च की जा रही है। वही दूसरी ओर स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों की मनमानी के चलते बच्चों की अच्छी पढ़ाई नही हो पा रही है इस बात की सच्चाई इस समय क्षेत्र के अनेक शासकीय स्कूलों में देखने मिल रही है, जहां पर बताया जाता है कि सांईखेड़ा क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में जहां सैकड़ो छात्र छात्राएं अध्यनरत है। वही शासकीय में पदस्थ अनेक शिक्षको अप डाऊन करने के कारण शालाओं में समय पर उपस्थित नही हो पाते है, इस कारण से कई शासकीय विद्यालयों की पढ़ाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। यदि क्षेत्र के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में देखा जावे तो अनेक शिक्षिकों की अनुपस्थिति बनी रहती है? वही ग्रामीण क्षेत्रों में यह आलम आसानी से देखा जा सकता है, शिक्षा विभाग अच्छे वार्षिक परिणामों के लिए सतत प्रयासरत है वही शासकीय शालाओं में शिक्षक गण देरी से पहुंचते है एवं समय के पहले शालाओं से कूंच कर देते है। जिसमें बताया जाता है कि अधिकांश शिक्षक शिक्षाकाएं बाहर से ट्रेनों के माध्यम से अप डाऊन करते हुए गाडरवारा से बस पकड़ने के बाद यहां तक पहुंच पाते है ऐसे में ट्रेन की लेट लतीफी के कारण वह समय पर शाला नही पहुंच पाते। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शासकीय शालाओं का अकास्मिक निरीक्षण करना चाहिए क्योंकि कई शिक्षक 2 दिन की छुट्टी की मंजूरी और सप्ताह भर छुट्टी मनाते है, ऐसे मै पढ़ाई प्रभावित होती है वही नौनिहालों के भविष्य की चिंता भी अभिभावक को सता रही है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो कहने के लिए तो सांईखेड़ा ब्लाक मुख्यालय में अनेक शासकीय कार्यालय स्थापित है मगर उनका संचालन अन्य दूसरी जगहो से होने के कारण यहां के शिक्षा विभाग के लिए बने हुए कार्यालयों में मात्र दिखाबा ही साबित होकर रह गये है।

बिना कार्ययोजना और बगैर स्वीकृति 5वें-15वें वित्त से लाखों खर्च, जनपद ने मांगी 3 दिन में रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज,डिंडौरी

जनपद पंचायत डिंडौरी अंतर्गत ग्राम पंचायत विक्रमपुर में बीते तीन वर्षों के दौरान बिना कार्ययोजना, बगैर स्वीकृति और नियमों की अनदेखी कर लाखों रुपये के भुगतान का मामला उजागर होने के बाद अब प्रशासन हरकत में आ गया है। अखबार में प्रकाशित खबर बगैर स्वीकृति, बिना कार्ययोजना लाखों का भुगतान के आधार पर जनपद पंचायत द्वारा तत्काल जांच के आदेश जारी किए गए हैं।

मामले में जनपद पंचायत डिंडौरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने पंचायत समन्वय अधिकारी दयाली सिंह मरावी को आदेशित किया है कि वे संबंधित प्रकरण की तत्काल जांच कर तीन दिवस के भीतर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। पत्र की एक प्रति जिला पंचायत के सीईओ को भी सूचनार्थ भेजी गई है।

बताया गया है कि पंचायत में पांचवें और पंद्रहवें वित्त के अंतर्गत आवंटित राशि का उपयोग पेयजल, सीसी रोड, स्ट्रीट लाइट, नलजल योजना और अन्य निर्माण कार्यों के नाम पर किया गया, जबकि अधिकांश कार्य धरातल पर प्रारंभ ही नहीं हुए। ई–ग्राम स्वराज पोर्टल में दर्ज आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021 में प्रस्तावित छह कार्यों में से केवल एक कार्य प्रारंभ हुआ जबकि 2022 में 21, वर्ष 2023 में 63 और वर्ष 2024 तथा 2025 में 121 गतिविधियां प्रस्तावित होने के बावजूद अनेक कार्य शुरू नहीं हुए। इसके बावजूद सरपंच रामनारायण धुर्वे और तत्कालीन सचिव तीरथ गोसाईं द्वारा अन्य व्ययों, प्रसाद वितरण, मानदेय, सामग्री, टेंट वाहन भाड़ा और कार्यालय व्यय सहित बड़े पैमाने पर राशि खर्च की गई।

मंत्रालय पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास द्वारा पहले ही निर्देश दिया गया था कि वित्तीय आवंटन को प्राथमिकता वाले कार्यों पर ही खर्च किया जाए और प्रतिबंधित व्ययों से बचा जाए, लेकिन ग्राम पंचायत विक्रमपुर में इन दिशा निर्देशों की खुलेआम अवहेलना की गई। अनेक कार्यों की वर्क आईडी, साइट फोटो और जियो टैगिंग तक नहीं की गई जिससे भुगतान की वैधता पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं।

समग्र शिक्षा बैठक में उपस्थित नहीं रहे 6 अधिकारी, कारण बताओ नोटिस, अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज,डिंडौरी

जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा शासन की शैक्षणिक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समग्र शिक्षा अभियान की समीक्षा बैठक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला परियोजना समन्वयक श्रीमती श्वेता अग्रवाल ने की।

बैठक में शालाओं में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, शैक्षणिक गुणवत्ता, समय-सीमा में पाठ्यक्रम पूर्णता एवं विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष चर्चा की गई। इस दौरान विकासखंडवार योजनाओं में साइकिल वितरण, यू-डाइस फीडिंग, गणवेश राशि अंतरण, अपार आईडी प्रगति, नामांकन एवं मेंटरिंग एप पर की जा रही मॉनिटरिंग की समीक्षा की गई।

जिला परियोजना समन्वयक ने निर्देश दिए कि कमजोर प्रगति वाली योजनाओं में एक सप्ताह के भीतर सुधार के उपाय सुनिश्चित किए जाएं। साथ ही सभी खंड स्त्रोत समन्वयकों को विद्यालयों में शिक्षक-छात्र उपस्थिति तथा शिक्षण कार्य की सतत मॉनिटरिंग करने पर जोर दिया गया।

एमआईएस को ऑर्डिनेटरों को योजनाओं का डाटा विश्लेषण कर रिपोर्ट प्रतिदिन विद्यालयों तक पहुंचाने तथा ऑनलाइन फीडिंग समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। तीन दिवस में यू-डाइस प्लस की डाटा फीडिंग अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए हैं।बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती सुमन परस्ते, सहायक परियोजना समन्वयक आशीष पांडे, जिला शिक्षा केंद्र के एपीसी, अकाउंटेंट, प्रोग्रामर तथा सातों विकासखंडों के समन्वयक उपस्थित रहे।

वहीं बैठक में अनुपस्थित छह खंड अकादमिक समन्वयकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। तीन दिवस में संतोषजनक उत्तर नहीं मिलने पर संबंधितों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

नाले का जल रोका, संकट से मिलेगी राहत : नवांकुर संस्था की सराहनीय पहल

हरिभूमि न्यूज,डिंडौरी। जल संरक्षण के महत्व को समझते हुए मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् के मार्गदर्शन में संचालित नवांकुर संस्था नर्मदा समिति खरगहना (विकासखण्ड बजाग) द्वारा ग्राम कौड़िया के शंकर नाले में एक सराहनीय पहल की गई। जल संचय अभियान के अंतर्गत स्टाप डेम गेट को 25 बोरियां, मिट्टी एवं पत्थरों से बंद कर पानी रोका गया, जिससे नाले का बहता पानी संरक्षित होकर ग्रामवासियों के लिए उपलब्ध रह सके। इस अभियान में प्रस्फुटन समिति के सदस्यों ने श्रमदान कर जल रोकने का कार्य किया। समिति के सहयोग से संरक्षित किया गया यह जल ग्रामीणों की दैनिक जरूरतों, मवेशियों के पेयजल तथा खेती के सिंचाई कार्य में उपयोगी सिद्ध होगा, जिससे आने वाले गर्मी के मौसम में जल संकट के दबाव को कम करने में सहायता मिलेगी।

अभियान में विकासखण्ड समन्वयक श्रीमती अंजू दुबे, मेंटर खिलावन सिंह गौतम, बालकिशोर गौतम, कोमल यादव सहित समिति सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही। सभी ने मिलकर जल संरक्षण के प्रति जन-जागरण का संदेश देते हुए श्रमदान से समाज में जागरूकता का उदाहरण प्रस्तुत किया।.

स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कदम से जल संरक्षण को व्यवहार में लाने की प्रेरणा मिलती है। यह पहल न केवल जल संग्रहण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि सामुदायिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण भी है।

ई–एचआरएमएस पोर्टल की खराबी से शिक्षकों में आक्रोश, जिला अध्यक्ष ने कहा—पहले सिस्टम सुधारें, फिर लागू करें

हरिभूमि न्यूज,डिंडौरी

शासकीय शिक्षक संगठन के जिला अध्यक्ष रामकुमार गर्ग ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित ई-ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल को पूरी तरह असुविधाजनक बताते हुए गंभीर आपत्तियाँ जताई हैं। उन्होंने कहा कि विभागीय पोर्टल पर अतिथि शिक्षक, सहायक शिक्षक, उच्च श्रेणी शिक्षक, व्याख्याता, नवीन उच्च माध्यमिक, माध्यमिक एवं प्राथमिक शिक्षकों से संबंधित प्रमोशन, कर्मोन्नति, रिक्त पदों की जानकारी, वेतन, अवकाश तथा अन्य सभी प्रशासनिक कार्य ऑनलाइन दर्ज किए जाने हैं, लेकिन पोर्टल लगातार तकनीकी खामियों से ग्रसित है।

गर्ग ने बताया कि पोर्टल कई बार खुलता ही नहीं है और अवकाश आवेदन व वेतन प्रविष्टि जैसी अनिवार्य प्रक्रियाएँ लंबित रह जाती हैं। उपस्थिति दर्ज करने में भी बड़ी समस्या सामने आती है—"शिक्षक 10:59 बजे उपस्थिति दर्ज करते हैं, लेकिन पोर्टल 4:15 का समय दिखा देता है", जिसके कारण न केवल शिक्षक बल्कि पोर्टल संभालने वाले ऑपरेटर भी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि इस अव्यवस्था से शिक्षक, कर्मचारी और विभागीय अधिकारी सभी प्रभावित हो रहे हैं। सरकार को चाहिए कि पोर्टल को पहले पूर्ण रूप से अपडेट और सुचारू करे, उसके बाद ही इसे अनिवार्य रूप से लागू करने पर जोर दे।

वहीं विधायक बिछिया नारायण सिंह पट्टा द्वारा उठाए गए प्रश्न पर मंत्री कुंवर विजय शाह के उस बयान का उल्लेख करते हुए गर्ग ने कहा कि मंत्री ने नेटवर्क न होने पर ऑफलाइन भुगतान की बात कही है, लेकिन वास्तविकता में कर्मचारियों को विभाग के कई चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। जिला अध्यक्ष ने शासन से मांग की है कि जनजातीय कार्य विभाग के शिक्षकों व कर्मचारियों की तकनीकी एवं प्रशासनिक समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए, ताकि अनावश्यक भ्रम, परेशानी और न्यायालय की चक्करबाजी से बचा जा सके।

लालपुर से अंग्रेज़ी शराब की बड़ी खेप बरामद, तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

स्थानीय पुलिस ने लालपुर क्षेत्र में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए अंग्रेज़ी शराब की बड़ी खेप जब्त की है। मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर अमरकंटक थाना पुलिस ने शनिवार देर शाम लालपुर मार्ग पर वाहनों की चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान संदिग्ध हालत में जा रही बोलेरो वाहन (एमपी 36 सी 3101) को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन में छिपाकर रखी गई 72 क्वार्टर अंग्रेज़ी शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 14 हजार रुपये बताई गई है, तथा 48 क्वार्टर प्लेन शराब बरामद हुई। महिंद्रा बोलेरो वाहन जिससे अवैध शराब परिवहन किया जा रहा था कीमती 10 लाख जप्त किया है पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों कुंज बिहारी जायसवाल, रंजीत रैकवार और वेदप्रकाश पांडे तीनों निवासी राजेंद्रग्राम को पकड़ने में सफलता हासिल की। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी आसपास के क्षेत्रों में आपूर्ति के इरादे से शराब लेकर जा रहे थे।

मजदूरी नहीं मिली तो कलेक्टर ने अधिकारियों को लगाई फटकार

हरिभूमि न्यूज,डिंडौरी।

कलेक्टर ने आज ग्राम पंचायत धौरई, औरई और उदरी में मनरेगा योजना के तहत संचालित विकास कार्यों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने हितग्राहियों से सीधे संवाद कर कार्यों की वास्तविक स्थिति जानी और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। ग्राम पंचायत धौरई में मनरेगा योजना से निर्मित मां की बगिया का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने पौधों की सुरक्षा के लिए पूरे क्षेत्र में बांस की फेंसिंग लगाने के निर्देश दिए। बगिया में हितग्राही सीताबाई ने एक एकड़ में आम और कटहल के 50 पौधे लगाए हैं, जिनकी कुल लागत लगभग 1.91 लाख रुपये है। धौरई रैयत में रोशनी आजीविका स्व-सहायता समूह की नर्सरी का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने आम, कटहल, बांस, अर्जुन, मुनगा, खमेर, शहतूत, नीम और सब्जियों के उत्पादन की सराहना की। उन्होंने नर्सरी से तीन पौधे भी खरीदे और जिले में वृक्षारोपण के लिए स्थानीय नर्सरियों से प्राथमिकता के आधार पर पौधों की खरीद सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्राम उदरी में लगभग 4.39 लाख रुपये की लागत से पौधरोपण और आवास योजनाओं का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने स्वयं अर्जुन का पौधा लगाकर ग्रामीणों से पौधों की सुरक्षा में सहयोग करने की अपील की। इस दौरान पीएम आवास और जन-मन आवास योजनाओं का भी निरीक्षण किया गया। हितग्राही गंगाराम मरावी और शिवकुमार मरावी से बातचीत में कलेक्टर ने उनके पिता झनकुलाल मरावी को पहले पक्के मकान की सुविधा देने पर जोर दिया। गांव की कलकतिया बाई ने कलेक्टर को रो—रो कर अपनी व्यथा सुनाई और भंवर सिंह द्वारा भी मजदूरी न मिलने की शिकायत पर कलेक्टर ने संबंधित सचिव को फटकार लगाई और चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पानी की समस्या को देखते हुए कलेक्टर ने पीएचई विभाग को तीन दिनों में जल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आरईएस ई ललित कुमार, सीईओ जनपद डिंडौरी प्रदीप ओझा, तहसीलदार शशांक शेंडे, मनरेगा प्रभारी प्रदीप शुक्ला सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में अमरपुर महाविद्यालय के छात्र प्रदीप धुर्वे व धर्मेंद्र धुर्वे चयनित

अमरपुर। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल कॅलेंडर के अनुसार 27 नवंबर को शासकीय महाविद्यालय बम्हनी बंजर (मंडला) में वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें शासकीय महाविद्यालय अमरपुर के छात्र प्रदीप धुर्वे एवं धर्मेंद्र धुर्वे का चयन राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता रीवा में 06 दिसंबर से 07 दिसंबर को आयोजित की जा रही हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य संदीप सिंह एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. पुष्पेन्द्र तिवारी, धर्मेन्द्र बहादुर, सौरभ सामंत, डॉ. अनिल कुशराम, डॉ. निगहत खान, डॉ. निधि सिंह, जयदीप दुबे, प्रदीप कहार, सुश्री हुस्ना अंसारी, डॉ. स्वर्णिम पटेल, कैलाश लखेरा, दीपचंद गुप्ता, ओमकार वाटिया, समीर धुर्वे, कमलेश वास्पे, सहज सिंह मरावी सहित समस्त महाविद्यालयीन स्टाफ ने छात्रों को उनके बेहतरीन खेल प्रदर्शन के लिए बधाईया एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की गई हैं।

सेवानिवृत्त प्राचार्य कृष्ण दयाल साहू (के.डी. सर) का आकस्मिक निधन

शहपुरा डिण्डौरी। क्षेत्र के जाने-माने शिक्षाविद, अनुशासनप्रिय व्यक्तित्व और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करौंदी के सेवानिवृत्त प्राचार्य कृष्ण दयाल साहू (के.डी. सर) का 83 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही शिक्षा जगत, सामाजिक संगठनों तथा स्थानीय लोगों में शोक की लहर व्याप्त हो गई।के.डी. सर को क्षेत्र में एक आदर्श शिक्षक, सख्त अनुशासनकर्ता और सहज स्वभाव के लिए जाना जाता था। उन्होंने करौंदी सहित कई विद्यालयों में वर्षों तक अपनी सेवाएँ दीं और हजारों विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे सामाजिक और शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय रहते थे तथा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते रहते थे। अंतिम संस्कार मां नर्मदा–कनई संगम तट, मालपुर में किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नागरिकों, पूर्व विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि के.डी. सर का जाना शिक्षा जगत की अपूरणीय क्षति है।ज्येष्ठ पुत्र प्रदीप साहू ने मुखाग्नि दी। आप प्रदीप साहू, उत्कृष्ट विद्यालय में पदस्थ शिक्षक प्रशांत साहू और शहपुरा महाविद्यालय में पदस्थ प्रफुल्ल साहू के पिताजी हैं।ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे और शोकाकुल परिवार को धैर्य दे।

आवागमन में दिक्कत, संक्रामक बीमारी की आशंका

कीचड़ से सराबोर आतंरिक मार्ग बना लोगों के लिए मुसीबत

हरिभूमि न्यूज,डिंडौरी।

एक तरफ केंद्र व राज्य सरकार द्वारा स्वच्छता अभियान को लेकर अनेक प्रकार की योजना संचालित कर रही हैं। परंतु जनपद पंचायत मुख्यालय अमरपुर के स्थानीय ग्राम पंचायत अमरपुर के वार्ड नंबर 06 में रहवासियों के घरों के निस्तार का गंदा पानी आंतरिक मार्ग पर बह रहा हैं। जिसके कारण भारी बदबू भी आती हैं। जिस वजह से मच्छरों के संख्या में भी बढ़ोतरी होना स्वाभाविक हैं। जिससे संक्रामण बीमारी फैलने की संभावना और भी प्रबल होती जा रही हैं। जिसके चलते लोगों को आने जाने में भारी परेशानी महसूस हो रही हैं। इसके साथ ही रामगढ़ मुख्य मार्ग में भी घरों के निस्तार का गंदा पानी सड़क पर प्रतिदिन बहता रहता हैं। लेकिन इस गंभीर समस्या की तरह ग्राम पंचायत के जवाबदार पदाधिकारी सुध ही नहीं ले रहे हैं। जब जनपद पंचायत मुख्यालय की ग्राम पंचायत की यह स्थिति हैं तो फिर दूरस्थ ग्राम पंचायतों की स्थिति क्या होगी सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता हैं।

पीएमजेएसवाई द्वारा खरमेर नदी पर बनाये जा रहे पुल का निरिक्षण

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने विकासखंड अमरपुर के निर्माणधीन विकास कार्यो का किया औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज,डिंडौरी।

शनिवार को औचक निरिक्षण में पीएमजेएसवाई द्वारा खरमेर नदी पर बनाये जा रहे पुल का निरिक्षण किया जहां पर पीएमजेएसवाई ई ने बताया की उक्त कार्य फरवरी में पूर्ण कर लिया जायेगा। कलेक्टर ने कहा की डीपीआर के अनुसार निर्धारित मापदंड का पालन करते हुए पुल को तैयार किया जाए ताकि बरसात के पहले आवागमन संचालित हो सके।

इसी क्रम में ग्राम पंचायत भाका अमरपुर में महोलो हेरीटेज का संचालन मां नर्मदा स्वसहायता समूह द्वारा चलाया जा रहा है जिसका आज कलेक्टर ने औचक निरिक्षण कर मशीनों के बारे में जयवती अध्यक्ष ने किस प्रक्रिया से महुआ से शराब तैयार की जाती है उस पर विस्तृत चर्चा की गईं। और कलेक्टर ने उत्पादन लाभ विक्रय पर चर्चा करते हुए कहा की यह आपका हेरिटेज दोबारा से संचालित होने जा रहा है जिसमें आप लोग सभी दीदियां जिम्मेदारी के साथ काम करें वही पर खाली मैदान में आवश्यकता नुसार पेड पौधे गमले, फूलदार पौधे ,फलदार पौधे लगाने के निर्देश दिए।

वहीं पर लोकल में संचालित तेल प्रसंस्करण ईकाई अमरपुर का भी निरिक्षण किया जहां पर 13 दीदी सदस्यों के द्वारा सरसों राई मूंगफली गुली तिल अरसी रामतिल नारियल पीला सरसों सोयाबीन आदि का तेल देशी कोलु के माध्यम से प्राकृतिक रूप से निकाला जाता है जहां पर दीदीया कलेक्टर से बात करते हुए उन्होनें बताया की हम आठ घंटे काम करते है ग्रामीण लोगो सें सरसों राई मूंगफली गुली तिल अरसी रामतिल नारियल पीला सरसों सोयाबीन खरीदा जाता है जिसे साफ कर तेल निकाला जाता है। तेल का विक्रय आसपास और बाजार में प्रदर्शनी लगाकर बेचा जाता है। जिसे समूह की सभी दीदीयों को अच्छा लाभ प्राप्त हो रहा है।

निरिक्षण के दौरान वनमंडल अधिकारी श्री पुनीत सोनकर, तहसीलदार, सीईओ जनपद, जनसंपर्क अधिकारी, एसडीओ वनविभाग श्री सुरेन्द्र जाटव सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

आजादी के 78 वर्ष बाद भी दमगढ़ गांव में 'अंधेरे' का साम्राज्य

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पुष्पराजगढ़ विधानसभा के अंतिम छोर पर स्थित दमगढ़ गांव आज भी बुनियादी सुविधा बिजली से वंचित है। देश को आजाद हुए 78 वर्ष बीत चुके हैं और सरकार "हर घर बिजली" जैसी योजनाओं के माध्यम से गांव-गांव तक रोशनी पहुंचाने के दावे कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि आज भी दमगढ़ गांव पूरी तरह अंधेरे में जीवन यापन करने को मजबूर है। इस गांव के सैकड़ों परिवार अब भी लालटेन और दीये के सहारे अपना जीवन गुजार रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वे वर्षों से बिजली आपूर्ति की मांग करते आ रहे हैं। कई बार बिजली विभाग और प्रशासन के अधिकारियों को लिखित आवेदन दिए गए, जनप्रतिनिधियों को भी समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक गांव में बिजली के खंभे तक नहीं लगाए गए हैं। शाम होते ही पूरा गांव अंधेरे में डूब जाता है और लोग मोबाइल टॉर्च व लालटेन के सहारे अपनी दिनचर्या पूरी करने को मजबूर हैं।

बिजली न होने का सबसे अधिक असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। छात्रों को रात में पढ़ाई करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। साथ ही स्वास्थ्य सेवाएं भी बुरी तरह प्रभावित हैं। किसी आपात स्थिति में मोबाइल फोन चार्ज न होने के कारण संपर्क साधने में गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली के अभाव में कोई भी आधुनिक सुविधा गांव तक नहीं पहुंच पाई है। पानी की मोटर, पंखा, टीवी, फ्रिज जैसी मूलभूत सुविधाएं यहां अब भी केवल सपना बनी हुई हैं। इससे गांव का सामाजिक और आर्थिक विकास भी पूरी तरह प्रभावित हो रहा है।

स्थानीय निवासी बताते हैं कि हमारी कई पीढ़ियां अंधेरे में गुजर गईं। आज भी बच्चे लालटेन की रोशनी में पढ़ाई करते हैं। नेता चुनाव के समय आते हैं, वादे करते हैं, लेकिन चुनाव जीतते ही सब भूल जाते हैं। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र अति शीघ्र दमगढ़ गांव में बिजली पहुंचाने की ठोस व्यवस्था की जाए, ताकि ग्रामीणों को भी सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो वे आंदोलन करने को भी विवश होंगे। जब पूरा देश डिजिटल इंडिया और स्मार्ट गांव की दिशा में आगे बढ़ रहा है, ऐसे समय में दमगढ़ जैसे गांव का आज भी अंधेरे में डूबा रहना शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

नर्मदा तट पर बसा दमगढ गांव बना संत-महात्माओं की तपोभूमि

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मां नर्मदा के पावन तट पर स्थित छोटा सा गांव दमगढ आज अपनी अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ अपनी गहरी आध्यात्मिक पहचान के कारण क्षेत्र ही नहीं, बल्कि दूर-दराज के क्षेत्रों में भी विशेष रूप से जाना जाने लगा है। चारों ओर फैली हरियाली, शांत वातावरण और कल-कल बहती नर्मदा की निर्मल धारा इस गांव को एक अलौकिक अनुभूति प्रदान करती है। यही कारण है कि यहां देश के विभिन्न हिस्सों से संत-महात्मा साधना और तपस्या के लिए पहुंचते हैं। नर्मदा नदी के किनारे बसा दमगढ़ गांव प्रकृति की गोद में स्थित एक ऐसा शांत और पवित्र स्थल है, जहां कदम रखते ही मन को अद्भुत शांति का अनुभव होता है। गांव के आसपास घने जंगल, छोटी-बड़ी पहाड़ियां और स्वच्छ वातावरण इस क्षेत्र को एक तपोस्थली के रूप में विशेष पहचान दिलाते हैं।

खबर संक्षेप

युवक के साथ मारपीट

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बीती रात थाना क्षेत्र कोतवाली के उत्सव गार्डन के पास युवक के साथ अज्ञात लोगों द्वारा मारपीट कर दी गई। पुलिस ने बताया कि जिगर पिता अशोक पटेल उम्र 25 वर्ष निवासी खैरी नाका के साथ अज्ञात लोगों द्वारा उत्सव गार्डन के पास मारपीट कर दी गई जिससे वह घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

करंट लगने से युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस काम करते समय युवक की विद्युत करंट लगने से मौत हो गई। अस्पताल चैकी पुलिस द्वारा बताया गया कि नसीम खान पिता मोहम्मद कमरूद्धीन खान उम्र 29 वर्ष निवासी रामपुर जिला मुजफ्फरपुर बिहार जो कि थाना क्षेत्र तेंदूखेड़ा में काम करते समय विद्युत करंट लग गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सलय लाया गया जहां परीक्षण के दौरान डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग पंचानाम तैयारकर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंपा जावेगा।

सड़क दुर्घटना से व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस स्टेशनगंज थाना क्षेत्र के बहोरीपार के पास हुई सड़क दुर्घटना में व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने बताया किया भुजवल पिता होतीलाल चैधरी उम्र 59 वर्ष निवासी बरमान थाना सुआतला बहोरीपार के पास हुई सड़क दुर्घटन में घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डॉक्टरों द्वारा परीक्षण के दौरान मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग पंचानामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

चार पहिया वाहन पलटने से व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र स्टेशनगंज में चार पहिया वाहन पलटने से व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मोनू शर्मा पिता रतन शर्मा उम्र 35 वर्ष निवासी हर्रई जिला छिंदवाड़ा, जैतपुर नर्सरी के पास गाड़ी पलटने से घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर परीक्षण के दौरान डाक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग पंचानामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

सड़क दुर्घटना में महिला घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस दादा महाराज के पास हुई सड़क दुर्घटना मे घायल हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार वंदना सिंह पति सौरभ सिंह उम्र 33 वर्ष निवासी गयादत्त वार्ड थाना स्टेशनगंज दादा महाराज के पास हुई सड़क दुर्घटना मे घायल हो गई जिन्हे उपचार हेतु जिला चिकित्सलय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

युवक के खाई जहरीली वस्तु

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र स्टेशन गंज के ग्राम जरजोला निवासी मुकेश पिता नन्हे वीर धानक उम्र 20 वर्ष द्वारा अपने ही घर पर जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है। उक्त जानकारी अस्पताल पुलिस चौकी द्वारा दी गई।

सड़क दुर्घटना में बिल्थारी हायर सेकंडरी स्कूल के प्राचार्य का निधन

तेंदूखेड़ा विगत दिनों समीपी ग्राम बिल्थारी ग्राम में पदस्थ प्रभारी प्राचार्य भुजबल चौधरी का एक सड़क दुर्घटना में दुखद निधन हो गया इनके साथ इनकी धर्म पत्नी भी गंभीर रूप से घायल हैं जिनका उपचार जारी है।इनके निधन पर विद्यालय परिवार द्वारा दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

खानापूर्ति पर चल रहा विभागों का काम

वाल विवाह को लेकर प्रशासन उदासीन

BAL VIVAH MUKT BHARAT

हरिभूमि

अस्पताल में भर्ती कराई गई 16 वर्षीय दो किशोरियां

जिले में नहीं रूक रहे बाल विवाह

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर

सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में वाल विवाह रोकने के लिए अनेकों प्रयास किए जा रहे है परन्तु जिले मे वाह विवाह रुकने का नाम नही ले रहे है। वही विभागों द्वारा वाल विवाह के प्रति उदासीन रवैया नजर आ रहा है। बीते दिनों जिला चिकित्सालय में प्रसव संबंधी उपचार हेतु दो किशोरियां भर्ती कराई गई थी जिनकी उम्र 16 वर्ष थी जिसे लेकर समाचार प्रकाशन किया गया था परन्तु विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नही की गई। जबकि सरकार का लक्ष्य है कि किसी भी स्थिति मे वाल विवाह नही होना चाहिए जिसे लेकर स्वास्थ्य विभाग व महिला एवं बाल विकास विभाग को मूल रूप से जिम्मेदारी सौंपी रगई है परन्तु विभाग के कर्मचारियों की अंदेखी के कारण वाल विवाह बंद नही हो रहे है। प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा को उच्च स्तर से आदेश मिलने पर टीम गठित कर दस्तूर कार्रवाई कर प्रचार प्रसार किया जाता है लेकिन जिले मे बाल विवाह बंद नही हो पाते है बाल विवाह होने पर स्थानीय अमले को भी जिम्मेदार माना जाना चाहिए।

मामला इस प्रकार

जिला चिकित्सालय मे परिजनों द्वारा अलग - अलग स्थानों की निवासी दो किशोरियों को लेकर आए जिन्हे जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। भर्ती के दौरान दोनों की उम्र का खुलासा हुआ जिसे एक किशोंरी की उम्र 16 वर्ष 9 माह 20 दिन है वही दूसरी किशोरी की उम्र 16 वर्ष 1 दिन है। एक किशोरी का नौ माह का गर्भ है वही दूसरी का तीन माह की गर्भवती है। फिलहाल दो का उपचार जिला चिकित्सालय में जारी है। वही अस्पताल प्रबंधन द्वारा प्रशासन को सूचना प्रेषित की जा चुकी है। अब देखना होगा की प्रशासन द्वारा क्या कार्रवाई की जावेगी । प्रशासन को चाहिए की बाल विवाह रोकने के लिए स्थानीय अमले को कड़ाई से नियमों को पालन कराना आवश्यक है तब जाकर की बाल विवाह बंद हो सकते है। बिना स्थानीय अमले की जानकारी के बाल विवाह नही हो सकता है कही ना कही उनकी भी मिलीभगत का अंदेशा रहता है। मिली जानकारी के अनुसार बीते दिवस जिला चिकित्सालय मे अलग - अलग स्थानों से दो किशोरियां को भर्ती कराया गया जिनकी उम्र 16 वर्ष बताई गई। दो युवतियां प्रसव संबंधी उपचार के लिए भर्ती हुई। उक्त संबंध में अस्पताल प्रबंधन द्वारा प्रशासनिक कार्रवाई हेतु अवगत भी कराया गया है। अब देखना होगा कि प्रशासन द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है। जबकि प्रशासन जिले मे बाल विवाह रोकने के लिए हमेशा तत्पर रहता है।

प्रशासन द्वारा दिखाई जा रही उदासीनता

जिले में प्रशासन द्वारा लक्ष्य बनाकर नाबालिग बालक तथा वालिकाओं की शादी ना करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाता है तथा लोगों को अनेकों माध्यम से जागरूक करने का प्रयास किया जाता है उसके साथ ही प्रशासन का अमला वाल विवाह रोकने के लिए पूरी तरह सक्रिय रहता है लेकिन उसके बाद भी जिले में बाल विवाह रूकने का नाम नही ले रहे। बाल विवाह बंद कराने के लिए प्रशासन द्वारा सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से नुक्कड़ नाटक रैली आदि निकालकर संदेश दिया जाता है। उक्त संबंध मे प्रशासन के सभी कार्यो पर पानी फेरने का कार्य दो किशोरियों के बाल विवाह ने कर दिया। जिला अस्पताल लाई गई किशोरियों के विवाह मे परजिनों व स्थानीय अमले द्वारा जानकारी ना देना भी कारण बन सकता है और यदि किशोरी गर्भवती थी तो गर्भधारण करने के उपरांत उक्त जानकारी स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा नही ली गई ऐसें कई सवाल उत्पन्न हो रहे है। किशोरियों को गर्भधारण करने के उपरांत महिला बाल विकास विवाह एवं स्वास्थ्य विभाग को सबसे पहले जानकारी मिल जाती है लेकिन विभाग द्वारा उदासीनता दिखाई जाने के कारण मामले का खुलासा नही हो सका।

जिले मे हो रहा बाल विवाह का अपराध

बाल विवाह करना कानूनी रूप से अपराध है बाल विवाह करने पर सरकार द्वारा दंड का प्रावधान भी बनाया गया है। बाल विवाह के कारण कई प्रकार की सामाजिक परेशानी भी सामने आती है जिसके प्रति जागरूक करने के लिए सरकार द्वारा रैली, नुक्कड़ नाटक, पर्चे, स्लोगन लेखन व वाचन आदि कराकर लोगों को जागरूक किया जाता है परन्तु जिले मे इसका प्रभाव कारगर नजर नही आ रहा है। दो वर्ष की दो किशोरियों की शादी होने के संबंध मे प्रशासन के द्वारा कोई जानकारी साझा नही की गई और ना ही स्थानीय अमले को नोटिस दिए गए है। जबकि बाल विवाह रोकने के लिए स्थानीय अमले को सूचित करने के लिए ठोस निर्देश प्रशासन द्वारा दिए गए है उसके बावजूद भी बाल विवाह हो जाना कई संदेहों को जन्म दे रहा है। कही ना कही उक्त बाल विवाह प्रशासनिक असफलता को दर्शा रहे है। प्रशासन को चाहिए की सूक्ष्मता से जांच कर कार्रवाई करे। प्रशासन की लाख कोशिशों के बाद भी वाल विवाह का अपराध कम होने का नाम नही ले रहा है।

बरहटा स्कूल में तेजस्वी टीम ने किया शैक्षणिक भ्रमण व वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश शासन में कक्षा 9वी और 11वीं में विगत दो वर्षों से संचालित तेजस्वी कार्यक्रम के अंतर्गत अगले शैक्षणिक वर्ष के पाठ्यक्रम में आवश्यक सुधारो को अंतिम रूप देने के पूर्व इन्हें शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरहटा में वास्तविक कक्षा की परिस्थितियों में आजमाने की प्रक्रिया निरंतर 2 से 6 दिसंबर 2025 तक की गई। इससे यह समझने में मदद मिली कि पाठ्यक्रम कक्षा 9वी और 11वीं के छात्रों के लिए कितना लाभकारी, स्पष्ट और व्यावहारिक है, इस प्रक्रिया में तेजस्वी कार्यक्रम की पाठ्यक्रम टीम से चिन्मय खेर, नितिन कुमार पांडे, कुंदन, अभिनय गर्ग एवं प्रियंका मेम द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया। कक्षा 8वी और 12वीं के छात्रों से भी तेजस्वी कार्यक्रम पर परिचर्चा की गई एवं पाठ्यक्रम में सुधार हेतु आवश्यक फीडबैक भी लिया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री बक्शी द्वारा तेजस्वी टीम से गहनता से विस्तृत चर्चा की गई। तथा तेजस्वी कार्यक्रम के शिक्षक आशुतोष नामदेव ,सुनील दीक्षित एवं तरुवर पटेल का विशेष सहयोग मिला। सभी शिक्षकों ने बच्चों को तेजस्वी कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अंतिम दिन प्राचार्य एस के बक्शी के निर्देशन में एवं ग्रीन टीचर पुष्पेंद्र पूशाम की उपस्थिति में तेजस्वी टीम के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस 5 दिवस के कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षको का सहयोग प्राप्त हुआ।

युवा कांग्रेस की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस कांग्रेस कार्यालय में जिला युवा कांग्रेस की बैठक संगठन के जिला अध्यक्ष विवेक पटेल की अध्यक्षता एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल की विशेष उपस्थिति में अनेक विषयों पर चर्चा के साथ संपन्न हुई। जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष विवेक पटेल ने संगठन की वर्तमान गतिविधियों, भविष्य की रणनीति और युवाओं की भूमिका पर जानकारी देते हुए कहा कि युवा कांग्रेस सरकार की युवा विरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष करेगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने कहा कि युवा कांग्रेस संगठन की ऊर्जा और भविष्य है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही संगठन नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करेगा। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत ने कहा कि युवा कांग्रेस की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का काम करें। बैठक में युवा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन एवं सहयोग क्रीड़ा मंडल के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित

राज्य स्तरीय जूनियर वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर

स्थानीय स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ आज उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन एवं सहयोग क्रीड़ा मंडल के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर से आए प्रतिभावान खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन समारोह में अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ न केवल खेल प्रतिभा को निखारती हैं, बल्कि अनुशासन, टीमवर्क और स्वास्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को भी प्रोत्साहित करती हैं प्रतियोगिता के अंतर्गत आज का लीग मैच होशंगाबाद जोन और चंबल जोन के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने शानदार कौशल और दमदार रणनीति का प्रदर्शन किया। मैच की शुरुआत से ही दर्शकों में रोमांच चरम पर था। पहले सेट में होशंगाबाद जोन ने आक्रामक सर्विस और बेहतर कोर्ट कवरेज के दम पर बढ़त बनाई। चंबल जोन ने दूसरे सेट में मुकाबले को कड़ा करने का प्रयास किया, लेकिन होशंगाबाद के खिलाड़ियों की मजबूत ब्लॉकिंग और सटीक स्मैशिंग ने उन्हें आगे बढ़ने का मौका नहीं दिया अंततः होशंगाबाद जोन ने निर्धारित अंकों से मुकाबला जीतते हुए विजयश्री अपने नाम की।

खिलाड़ियों की उत्कृष्ट प्रदर्शन ने दर्शकों से खूब सराहना बटोरी। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता के आगामी दौर में और भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे प्रतियोगिता के आयोजक मणिनगेंद्र सिंह फाउंडेशन के सचिव सरदार सिंह पटेल ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को एक बेहतर मंच प्रदान करना है, ताकि वे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। आयोजकों ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस मंच से उभरकर कई खिलाड़ी भविष्य में प्रदेश का गौरव बढ़ाएँगे इस अवसर पर बड़ी संख्या सामाजिक कार्यकर्ता गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

भूतपूर्व छात्र सम्मेलन हेतु बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर के सफल 26 शैक्षणिक सत्र पूर्ण होने पर भूतपूर्व छात्र सम्मेलन 2025 हेतु छात्र पुनर्मिलन की दिशा में प्रारंभिक बैठक का आयोजन महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग एवं समस्त विभागाध्यक्षों तथा भूतपूर्व छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में किया गया। बैठक में महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र छात्राओं ने एल्यूमिनी मीट के आयोजन को लेकर अपने-अपने विचार साझा किये। बैठक में निर्णय लिया गया कि महाविद्यालय के पूर्व छात्र जो देश एवं विदेशों में विभिन्न तकनीकि एंव प्रबंध संस्थाओं में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं उन्हें कार्यक्रम से जोड़ने हेतु ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यम से पंजीयन की सुविधा प्रदान की जायेगी। भूतपूर्व छात्र अपने बैंचमेट छात्र-छात्राओं को छात्र सम्मेलन से जोड़ने हेतु प्रत्येक स्तर पर नेटवर्किंग के माध्यम प्रयास करेंगें। कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों के अंतर्गत बौद्धिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के संबंध में निर्णय लिया गया। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक प्रभारी मेजर डॉ. पराग नेमा द्वारा किया गया। बैठक में उपप्राचार्य डॉ. एस.एन. राव, डॉ. दीपिका शर्मा, जी.डी. उमरे तथा सहा. प्राध्यापक हेमराज सेन सहित भूतपूर्व छात्र मयंक मनोहर साहू, सुषील नेमा, सुमित दुबे, संतोष दुबे, बृजेष पटेल, नवीन पाण्डे, बृजेश त्रिवेदी, हेमेन्द्र जिनौरिया, सतीष कुमार साहू, अंकित त्रिवेदी, रघुराज सिंह कौरव, संजय दुबे, श्रीमती अदिती नेमा, श्रीमती शिखा उपाध्याय, श्रीमती जागृति कहार, रविन्द्र छावड़ा, राजकुमार विश्वकर्मा, सुनील कुमार कहार, हर्ष नामदेव, हेमन्त पटेल, कौशल लोधी, आकाष यादव, अखिलेन्द्र साहू, आयुष विश्वकर्मा, रानू साहू, विजेन्द्र सिंह पटेल, अनुज राय तथा चक्रेश परसवाल की उपस्थिति रहीं।

चोरी में जुटे समिति प्रबंधक, पूरा स्टाफ है शामिल

खाद की कालाबाजारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिन्दवाडा (मनीष गड़करी)

किसानों के साथ हर कदम पर अन्याय हो रहे हैं और इस पर रोक लगाने के लिए कलेक्टर लाख आदेश जारी कर रहे है। इसके बाद भी किसानों के साथ समिति प्रबंधक खाद की कालाबाजारी कर रहे है। किसान मक्का के रेट से तो परेशान है ही अब गेहूं की फसल के लिए अधिक कीमत पर खाद लेने के लिए मजबूर है और किसानों की इस दुर्दशा के लिए समिति प्रबंधक जिम्मेदार है जो किसानों को खाद की कमी बताकर उनसे अधिक रूपयों की वसूली कर रहे है। जिले में तो इस तरह के कई मामले चल रहे है और ऐसा नहीं है कि कृषि विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों, कर्मचारियों को इस बात की जानकारी नहीं है परंतु केाई भी इस तरह के मामले आने के बाद लीपापोती में जुड़े ब्लॉक स्तर के अधिकारी कर्मचारी किसानों के हित में न सोचकर स्वहित की बात करते है और आर्थिक लेन देन कर मामले का निपटारा करते है।

जिले के बड़े अधिकारी भोपाल में हुई बैठकों में आंकड़ों की बाजीगिरी दिखाकर पीठ थपथपाने में ही रूचि रखते है। यही कारण है कि जमीनी स्तर पर किसान थक हारकर सत्तासीन भाजपा की सरकार को दोष देते नजर आता है। जबकि खाद की कालाबाजारी करने वाले साख समिति के पूरा स्टाफ को यह पता होता है कि कहां से गोलमाल किया जा रहा है।

इस तरह का ही एक बड़ा मामला सहकारी साख समिति शिकारपुर से सामने आया है जहां समिति प्रबंधक सुरेन्द्र माहोरे की करतूतों की वजह से भाजपा की सरकार बेवजह बदनाम हो रही है। जिला कलेक्टर के लाख दांवों के बाद भी किसानों के लिए बनी शासकीय योजनाएं सफेद हाथी ही साबित हो रही है। योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के किसानों को बिल्कुल नहीं मिल रहा है। किसान बेबस है और लाचार है और किसान खाद विक्रय केंद्रों के सामने लंबी लाइन लगकर अपनी दुर्दुशा पर रोने के अलावा कुछ और नहीं कर पाने के लिए मजबूर है।

इनका कहना है

जबकि समिति प्रबंधक सुरेंद्र माहोरे का कहना है कि दुर्भावनावश की गई इस शिकायत में सत्यता का अभाव है। लेकिन 1720 रूपए की खाद को 1850 रूपए में बेचने की बात वे स्वीकार कर रहे है जिसका ऑडियो हरिभूमि के पास उपलब्ध है।

क्या कहते है कृषि विस्तार अधिकारी

इस विषय में मोहखेड़ विकासखंड के कृषि विस्तार अधिकारी डी.एस. घाघरे से बात की गई तो उन्होंने बताया कि खाद के नए मूल्य निर्धारित किए गए है जिसका पत्र सभी समिति प्रबंधकों को दिया गया है। अगर साख सहकारी समिति शिकारपुर में इस तरह की कोई शिकायत आती है तो कार्रवाई की जाएगी और गोडाऊन की भी जांच की जाएगी।

महामृत्युंजय नर्मदा ग्रुप और गायत्री परिवार

झिरीघाट में पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन

तेंदूखेड़ा आगामी वर्ष 2026 की शुरुआत नर्मदा तट पर धर्म संस्कृति और आध्यात्म की त्रिवेणी के साथ होगी। महामृत्युंजय नर्मदा ग्रुप और गायत्री परिवार के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम झिरी नर्मदा तट पर 1 से 3 जनवरी के बीच तक पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जाएगा। ऐतिहासिक इस आयोजन की रूपरेखा तय करने के लिए विगत दिनों एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिसमें महामृत्युंजय नर्मदा ग्रुप और गायत्री परिवार की क्षेत्रिय इकाइयों के प्रमुख परिजन शामिल हुए। जिनमें काचरकोना इमलिया कढ़ैली सिमरिया करहैया बारह झिरी और छत्तरपुर के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी परिजनों ने महायज्ञ को सफल बनाने के लिए अपने-अपने दायित्वों पर विचार-विमर्श किया और इसे एक विराट स्वरूप देने का संकल्प लिया। वरिष्ठ सदस्यों ने बताया कि नर्मदा जी की कृपा और परम पूज्य गुरुदेव की प्रेरणा से हम सभी इस पुनीत कार्य को करने जा रहे हैं। यह महायज्ञ क्षेत्र में सुख-शांति समृद्धि और पर्यावरण की शुद्धि के लिए एक बड़ा कदम होगा।

मां नर्मदा की दिव्य महाआरती

गोष्ठी के समापन के उपरांत सभी उपस्थित सदस्यों और परिजनों ने मिलकर नर्मदा तट पर दिव्य नर्मदा महाआरती का आयोजन किया। दीपों की जगमगाहट और घंटों-शंखों की ध्वनि के बीच मां नर्मदा की स्तुति की गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। यहां पर महामृत्युंजय नर्मदा ग्रुप द्वारा प्रत्येक पूर्णिमा एवं अमावस्या को नर्मदा तट झिरी घाट पर नियमित रूप से नर्मदा महाआरती का आयोजन किया जाता है ।जो स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं के बीच आस्था और सेवा का एक मजबूत केंद्र बिंदु बन चुका है। यह नियमित आयोजन ही इस क्षेत्र में धार्मिक और सामाजिक एकजुटता का आधार है।